मंगलवार
26 अप्रैल 2022

पृष्ठ 4

**हवा की सफाई करता हैं एयर प्यूरीफायर!**

पृष्ठ 5

**दमदार किरदार निभाना चाहती हूं:पूजा अग्रवाल**

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 87
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

**आज का विचार**

अपने को संकट में डाल कर कार्य संपन्न करने वालों की विजय होती है, कायरों की नहीं।
– जवाहरलाल नेहरू

# दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

## सीएम धामी ने केदारपुरी की तैयारियों का लिया जायजा

❑समय पर काम खत्म करने के निर्देश
❑गुणवत्ता से न किया जाए समझौता

विशेष संवाददाता

देहरादून/रूद्रप्रयाग। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज केदारधाम पहुंचकर यहां चल रहे निर्माण कार्यो का स्थलीय निरीक्षण किया तथा चार धाम यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

राज्य में 3 मई से चारधाम यात्रा का शुभारंभ होने जा रहा है तथा 6 मई को केदारनाथ धाम के कपाट भी खुलने जा रहे हैं। संभावना यह भी जताई जा रही है कि 6 मई को प्रधानमंत्री मोदी धाम के दर्शन करने आ सकते हैं। यही कारण है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज एक बार फिर केदार धाम में चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। सीएम ने बाबा केदार के दर पर पहले माथा टेका और फिर मंदिर परिसर का भ्रमण कर निर्माण कार्यों को देखा। मुख्यमंत्री ने निर्माण किए जा चुके सरस्वती आस्था पद का निरीक्षण किया तथा निर्माणाधीन ब्रह्मकमल ताल और वासुकी ताल का भी निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता न करने की हिदायत दी थी।

मुख्यमंत्री ने निर्माण के कारण इधर-उधर बिखरी पड़ी निर्माण सामग्री को व्यवस्थित करने की बात भी कही। उन्होंने सरस्वती व मंदाकिनी किनारे तटबंध बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से 6 मई से पूर्व चारधाम यात्रियों की सुविधाओं से जुड़े सभी कामों को समय पर समाप्त करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने लौटते समय कालीमढ़ जाकर मां काली के दर्शन कर पूजा-अर्चना भी की गई। इस अवसर पर उनके साथ पर्यटन सचिव दलीप जावेडकर तथा क्षेत्रीय विधायक शैला रानी रावत भी मौजूद थी। उनके पूरे भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री का कहना है कि इस बार यात्रा पर रिकॉर्ड श्रद्धालु आने वाले हैं इसलिए तैयारियां भी बेहतर होनी चाहिए। यात्रा मार्गों पर जन सुविधाएं दुरस्त होनी चाहिए जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की दिक्कत न हो।

### गंगोत्री विधायक ने किया यात्रा मार्ग का निरीक्षण

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी की गंगोत्री सीट से विधायक सुरेश चौहान ने आज उत्तरकाशी से गंगोत्री तक के सड़क मार्ग का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को यात्रा मार्ग पर जन सुविधाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। गंगोत्री विधायक ने मार्ग पर पथ-प्रकाश, वाहन पार्किंग, शौचालय निर्माण तथा पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उनके साथ जिलाधिकारी नवनीत भी मौजूद रहे। गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट 3 मई को खुलने वाले हैं।

## डम्पर ने मारी एसडीएम के वाहन को टक्कर, चालक की मौत अधिकारी घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सड़क दुर्घटना में आज सुबह तेज रफ्तार डम्पर की चपेट में आकर एसडीएम लक्सर का वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर एसडीएम के वाहन चालक की मौत हो गयी वहीं एसडीएम भी गम्भीर रूप से घायल हुई है। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

जानाकारी के अनुसार आज सुबह लगभग 11 बजे एसडीएम लक्सर संगीता कनोजिया का वाहन एक तेज रफ्तार डम्पर की चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भिड़ंत इतनी भयावह थी कि एसडीएम के वाहन चालक की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि एसडीएम की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि एसडीएम लक्सर अपनी सरकारी गाड़ी से रुड़की से हरिद्वार की ओर आ रही थी, सोनाली पुल के पास उनकी गाड़ी तेज रफ्तार डम्पर से टकरा गई, टक्कर इतनी तेज थी कि एसडीएम संगीता कन्नोजिया की गाड़ी के परखच्चे उड़ गए जिसमें उनके ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई और एसडीएम संगीता कन्नोजिया गंभीर रूप से घायल है। जिनको अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

## अब 6 से 12 साल के बच्चों को भी लग सकेगी कोरोना की वैक्सीन!

नई दिल्ली । देश में ६ से १२ साल की उम्र के बच्चों को भी कोरोना की वैक्सीन के इस्तेमाल की मंजूरी भारत के औषधि महानियंत्रक (डीजीसीआई) ने दे दी है। सूत्रों के अनुसार इन्हें भारत बायोटेक की कोवैक्सीन लगाई जाएगी। ये मंजूरी उस समय दी गई है जब हाल के दिनों में बच्चों के तेजी से कोरोना की चपेट में आने की खबरें आ रही हैं। डीजीसीआई ने फिलहाल वैक्सीन निर्माताओं को वैक्सीन के इस्तेमाल को लेकर पहले दो महीनों तक सुरक्षा डेटा सहित किसी खराब असर के डेटा को हर १५ दिनों में उचित विश्लेषण के साथ जमा कराने के निर्देश दिए हैं। दो महीने बाद भारत बायोटेक को अगले पांच महीने तक हर माह डेटा जमा कराने होंगे। पहले की कोरोना लहर में बच्चों पर ज्यादा असर नहीं देखा गया था। हालांकि इस बार जब मामले एक बार फिर बढ़ रहे हैं तो बच्चों के भी इसकी चपेट में आने की संख्या बढ़ी है। कई विशेषज्ञों के अनुसार पिछले कुछ हफ्तों में बच्चों में फ्लू जैसे लक्षण बढ़ते नजर आए हैं। गौरतलब है कि भारत में १५–१८ साल के बच्चों का टीकाकरण इसी साल जनवरी में शुरू हो गया था। बताते चलें कि पिछले हफ्ते भारत के केंद्रीय औषधि प्राधिकरण की एक विशेषज्ञ समिति ने पांच से ११ वर्ष की आयु के बच्चों के वास्ते बायोलॉजिकल ई के कोविड–१९ रोधी टीके कोर्बेवैक्स के लिए भी आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी (ईयूए) देने की सिफारिश की है।

## देश में आज फिर ढाई हज़ार के लगभग नए केस सामने आए

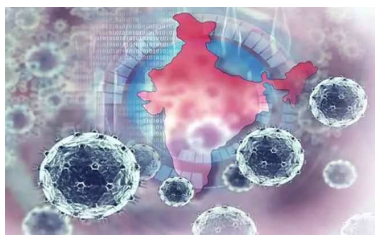

नई दिल्ली । भारत में एक बार फिर कोरोना वायरस के संक्रमण ने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं, ऐसे में सावधानियां बरतना बेहद जरूरी है। देश का रोजाना दैनिक आंकड़ा ढाई हज़ार के करीब पहुंच गया है। पिछले २४ घंटे में एक बार फिर ढाई हज़ार के लगभग नए केस सामने आए हैं। वहीं एक्टिव केस की संख्या में भी बढ़ोतरी हो रही है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मंगलवार सुबह जारी आँकड़ों के मुताबिक, पिछले २४ घंटे में कोरोना वायरस के २४८३ नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर ४,३०,६२,५६६ हो गया, वहीं इस दौरान हुई १३६६ नए मरीजों की मौत के बाद अब तक जान गवाने वाले लोगों की संख्या ५,२३,६२२ हो गयी।

एक दिन में हुई मौत की संख्या डराने वाली हैं। बता दें कि देश में इस समय कोरोना की चौथी लहर का खतरा बना हुआ है।

मंत्रालय के अनुसार, पिछले २४ घंटे के दौरान १,६७० लोग कोरोना को मात देकर अपने घर गए। वहीं नए मामलों के चलते एक्टिव केस में बढ़ोतरी हुई है। देश में मौजूदा समय में एक्टिव केस की संख्या १५,६३६ बनी हुई है।

कोरोना मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर ६८.७५ प्रतिशत है। संक्रमण की दैनिक दर ०.५५ प्रतिशत और साप्ताहिक दर ०.५८ प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल ४,२५,२३,३११ लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड–१९ से मृत्यु दर १.२२ प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड–१९ रोधी टीकों की १८७.६५ करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं।

गौरतलब है कि देश में सात अगस्त २०२० को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी।

संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर २०२० को ५० लाख, २८ सितंबर २०२० को ६० लाख, ११ अक्टूबर २०२० को ७० लाख, २६ अक्टूबर २०२० को ८० लाख और २० नवंबर को ९० लाख के पार चले गए थे। देश में १६ दिसंबर २०२० को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे।

दून वैली मेल

## संपादकीय

# कोरोना से फिर दहशत

भले ही कोरोना की तीसरी लहर के बारे में लोगों को यह पता नहीं चल सका कि वह कब आई और कब चली गई लेकिन दूसरी लहर के दौरान कोरोना की जो भयावह तस्वीर देश और प्रदेश के लोगों ने देखी थी उसकी यादें आज भी सिहरन पैदा कर देती है। एक बार फिर कोरोना के मामले में जो वृद्धि देखी जा रही है वह खतरे की घंटी है। उत्तराखंड की राजधानी दून के चार बड़े स्कूलों में छात्र-छात्राओं और अध्यापकों के कोरोना संक्रमित मिलने से स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। हमें अच्छी तरह से याद है कि हरिद्वार महाकुंभ के दौरान बरती गई लापरवाही की कितनी बड़ी कीमत उत्तराखंड के लोगों को चुकानी पड़ी थी। राज्य में 3 मई से चार धाम यात्रा शुरू होने जा रही है जिसमें लाखों लोग रोज देश-विदेश से आएंगे उधर केंद्रीय माध्यमिक बोर्ड परीक्षाएं भी आज से शुरू हो चुकी हैं इससे पहले दून के चार बड़े स्कूलों में कोरोना मरीजों के मिलने से परीक्षार्थियों में भय होना स्वाभाविक है। भले ही इन स्कूलों में अब सुरक्षा प्रबंध कड़े कर दिए गए हो लेकिन क्या इस डर के माहौल में बच्चे ठीक से अपनी परीक्षाएं दे पाएंगे? यह एक अहम सवाल है। स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने आज कोरोना की दस्तक के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करने जा रहे हैं। खास बात यह है कि वैज्ञानिकों द्वारा अब ओनीक्राम वैरीअंट के जिस नये वैरियंट की बात की जा रही है वह ओनीक्राम से दो गुना अधिक तेजी से फैलने वाला बताया जा रहा है ऐसे में सतर्कता अति आवश्यक है। तीसरी लहर के बाद लोगों ने यह मान लिया था कि कोरोना अब जा चुका है। यही कारण है कि शासन प्रशासन स्तर पर सभी तरह की पाबंदियों को हटा लिया गया था। यहां तक कि लोगों ने मास्क पहनना तक बंद कर दिया था। स्कूल-कॉलेज, बाजार सभी कुछ सामान्य ढंग से शुरू हो गए थे लेकिन जिस तरह तमाम जगहों पर कोरोना के मामले सामने आने लगे हैं उन्हें देखकर लगता है कि यह भूल फिर एक बड़ी गलती साबित हो सकती है। और तो और राज्य के तमाम अस्पतालों में कोविड वार्डो को समाप्त कर दिया गया था डीआरडीओ द्वारा हल्द्वानी में कोरोना काल में 300 बेड का अत्याधुनिक जो कोविड अस्पताल बनाया गया था उसे भी खत्म कर दिया गया था लेकिन अब इसे फिर शुरू करने का काम हो रहा है। अभी बीते दिनों दिल्ली गाजियाबाद के कुछ स्कूलों में भी कोरोना के मामले सामने आये थे जिसके बाद दिल्ली एनसीआर व लखनऊ में मास्क को अनिवार्य कर दिया गया था। सरकार को चाहिए कि वह संभावित खतरे के मद्देनजर उत्तराखंड में फिर नयी एसओपी लाए और उसका सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। क्योंकि मई और जून के अंत तक कोरोना की नई लहर के पीक पर पहुंचने की संभावनाएं जताई जा रही हैं।

# डॉलर की विडंबना

डॉलर की यह विश्व मुद्रा के रूप में भूमिका अचानक खत्म हुई, तो अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए उसका बेहद हानिकारक असर होगा। दरअसल, इसका प्रभाव लगभग पूरी दुनिया पर होगा। इसके बावजूद हालात ऐसे हैं कि डॉलर का वर्चस्व खत्म होने की चर्चा खुल कर हो रही है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिकी मुद्रा डॉलर का मूल्य चढ़ रहा है। इसके बावजूद कारोबार जगत में ये धारणा आम है कि यूक्रेन पर हमले के बाद रूस के धन को पश्चिमी देशों ने जिस तरह जब्त किया, उससे अमेरिकी मुद्रा डॉलर की साख को गहरा नुकसान पहुंचा है। गौरतलब है कि अभी पांच साल पहले तक इक्के-दुक्के लोग ही यह कहते थे कि वित्तीय जगत में डॉलर का वर्चस्व घट रहा है। लेकिन अब गोल्डमैन सैक्श और क्रेडिट सुइसे जैसी एजेंसियों की रिपोर्ट में भी ये बात कही जाने लगी है। कुछ अमेरिकी अर्थशास्त्री अब इस पर चर्चा करने लगे हैं कि डॉलर का दबदबा खत्म होने का अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर क्या असर होगा। पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि अभी डॉलर के वर्चस्व में परोक्ष रूप से क्षय हो रहा है। लेकिन यह उस स्थिति की पृष्ठभूमि है, जब ऐसा अधिक खुले रूप में होने लगेगा। साफ है कि डॉलर के बिना कारोबार चलाने की मुहिम का नेतृत्व फिलहाल रूस कर रहा है। इसकी तैयारी उसने कई वर्ष पहले शुरू की थी। लेकिन 2021 में इसमें काफी तेजी लाई गई। जनवरी 2021 की तुलना में इस साल जनवरी तक वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर का हिस्सा 21 प्रतिशत घटा चुका था। इसी अवधि में वह अपने भंडार में चीनी मुद्रा मुद्रा युवान का हिस्सा 13 से बढ़ा कर 17 प्रतिशत तक ले गया। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि दुनिया में निर्यात के हिसाब से अमेरिका की ताकत पहले ही काफी घट चुकी है। अब इसमें उसका हिस्सा सिर्फ आठ प्रतिशत बचा है। जबकि चीन का हिस्सा 15 फीसदी हो गया है। अमेरिकी सरकार पर कर्ज के बढ़ते बोझ और वहां मुद्रास्फीति की ऊंची दर ने भी चिंताएं बढ़ाई हैं। तो अब यह चेतावनी दी जा रही है कि अब डॉलर में अपना धन ना रखने का चलन तेज गति से आगे बढ़ सकता है। ये सच है कि दुनिया उस मुकाम पर है, जहां विभिन्न देशों का काम बिना डॉलर रखे चल सकता है। भारत और रूस के बीच रुपया-रुबल में कारोबार की फिर हो रही शुरुआत इस बात की मिसाल है। बहरहाल, यह तय है कि डॉलर की यह विश्व मुद्रा के रूप में भूमिका अचानक खत्म हुई, तो अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए उसका बेहद हानिकारक असर होगा।(आरएनएस)

# प्रशांत किशोर का तिनका और कांग्रेस

अजीत द्विवेदी

जैसे डूबते को तिनके का सहारा होता है वैसे ही कांग्रेस को प्रशांत किशोर का सहारा है। प्रशांत किशोर के पास भी 2024 का चुनाव प्रभावी तरीके से लड़ने के लिए फिलहाल कोई विकल्प नहीं है, लेकिन वे कांग्रेस की तरह बेसहारा नहीं हैं। हालांकि यह भी सही है कि उनका पिछला प्रयास जब विफल हुआ था तो वे कांग्रेस की दर से ऐसे उठे थे, जैसे इस देश की मिट्टी से कांग्रेस के जैसा ही वे एक बड़ा आंदोलन खड़ा कर देंगे! लेकिन ऐसा हुआ नहीं। कांग्रेस भी उस समय मान रही थी कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में उसे दो-तीन राज्यों में जीत मिलेगी, लेकिन उसकी भी वह उम्मीद पूरी नहीं हुई। उसे पता है अगले लोकसभा चुनाव से पहले कम से कम दो-तीन राज्यों में उसे विधानसभा चुनाव जीतना होगा तभी वह लोकसभा का चुनाव लड़ पाएगी अन्यथा चुनाव से पहले ही उसकी लड़ाई खत्म मान ली जाएगी। इसलिए उसके पास प्रशांत किशोर का विकल्प आजमाने के सिवा अभी कोई रास्ता नहीं है।

दूसरी ओर प्रशांत किशोर का ममता बनर्जी से मोहभंग हो गया है और शरद पवार व नीतीश कुमार में उनको वह स्पार्क नहीं दिख रहा है, जिसके दम पर नरेंद्र मोदी के मुकाबले लोकसभा का चुनाव लड़ा जा सके। वैसे भी प्रशांत किशोर हमेशा कहते रहे हैं कि कांग्रेस जिस आइडिया और स्पेस का प्रतिनिधित्व कर रही है उसको विपक्ष की जरूरत है। सो, ऐसा लग रहा है कि 2024 के लिए वह आइडिया और स्पेस उनको मिलने जा रहा है। परंतु सवाल है कि क्या कांग्रेस में उनको वह मौका मिलेगा, जिसकी उम्मीद में वे कांग्रेस से जुड़ने या उसके साथ काम करने जा रहे हैं? प्रशांत किशोर अब तक ऐसी पार्टियों के लिए काम करते रहे हैं, जहां सिंगल कमांड चलती है। उन्हें दस जगह पंचायत करने की जरूरत कभी नहीं पड़ी है, जबकि कांग्रेस में उनकी शुरुआत ही पंचायत से हुई है।

प्रशांत किशोर ने नेहरू-गांधी परिवार के तीनों सदस्यों- सोनिया, राहुल व प्रियंका के साथ साथ सात और बड़े नेताओं के सामने अपना प्रेजेंटेशन दिया। इसमें उन्होंने बताया कि कांग्रेस को चार सौ से कम सीटों पर लड़ना चाहिए और बाकी सीटों पर रणनीतिक तालमेल करना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कई रणनीतिक बातें भी समझाईं। इसके बावजूद तय हुआ कि सोनिया गांधी एक कमेटी बनाएंगी, जो सात दिन में बताएगी कि प्रशांत किशोर का प्रेजेंटेशन कैसा है और वह कांग्रेस के लिए फायदेमंद है या नहीं। सोचें, यह क्या बात हुई? उनके प्रेजेंटेशन में कोई रॉकेट साइंस नहीं था, जो वहां बैठे 10 नेताओं को समझ में नहीं आया। सब कुछ समझते हुए भी कांग्रेस आलाकमान ने फैसला एक हफ्ते के लिए टाल दिया। यह हर मामले में होगा। प्रशांत कोई प्रस्ताव देंगे और कांग्रेस कमेटी बनाएगी, कमेटी कई दिन तक उस प्रस्ताव पर बैठी रहेगी और फिर कुछ नेताओं के निजी हितों को ध्यान में रखते हुए रिपोर्ट दी जाएगी। ऐसी स्थिति में प्रशांत किशोर का सफल होना संदिग्ध है। कांग्रेस अगर उन्हें खुली छूट दे तभी वे कोई सकारात्मक नतीजा दे सकते हैं।

दूसरा सवाल है कि क्या प्रशांत किशोर कांग्रेस की किस्मत बदल पाएंगे? यह सवाल इसलिए अहम है क्योंकि कांग्रेस पिछले कुछ समय से लगातार चुनाव हार रही है। 2019 के लोकसभा चुनाव में बुरी तरह से हारने के बाद से कांग्रेस एक भी चुनाव नहीं जीत पाई है। लोकसभा चुनाव के बाद पिछले तीन साल में 17 राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए हैं और किसी भी राज्य में कांग्रेस अपने दम पर चुनाव नहीं जीत सकी है। तमिलनाडु और झारखंड में उसकी सीटों में कुछ इजाफा हुआ लेकिन वह सहयोगी पार्टियों के दम पर हुआ। महाराष्ट्र में भी वह सरकार में है लेकिन वह चुनाव बाद बनी परिस्थितियों के कारण हुआ। इसके अलावा ज्यादातर राज्यों में कांग्रेस न सिर्फ हारी है, बल्कि उसका वोट प्रतिशत भी कम हुआ है। सोचें, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में, जहां प्रियंका गांधी वाड्रा ने पूरी ताकत लगाई वहां कांग्रेस को ढाई फीसदी से भी कम वोट मिले हैं। उत्तर प्रदेश का नतीजा कांग्रेस की बदहाली का सबसे बड़ा सबूत है।

उत्तर प्रदेश अकेला राज्य नहीं है, जहां कांग्रेस का वोट पांच प्रतिशत से कम रहा। पिछले तीन साल में जिन 17 राज्यों में चुनाव हुए हैं उनमें से पांच राज्य ऐसे हैं, जहां कांग्रेस का वोट पांच फीसदी से भी कम है। इसके अलावा पांच अन्य राज्यों में उसका वोट प्रतिशत 20 से कम है। सिर्फ सात ऐसे राज्य हैं, जहां उसे 25 से 30 फीसदी वोट मिले हैं। कांग्रेस की दुर्दशा बताने वाला एक तथ्य यह है कि इन 17 में से 12 राज्यों में कांग्रेस का वोट प्रतिशत कम हुआ। झारखंड में जेएमएम के दम पर और बिहार में राजद के दम पर उसका वोट शेयर बढ़ा। सिर्फ तीन राज्य- हरियाणा, केरल और उत्तराखंड ही ऐसे हैं, जहां कांग्रेस का अपने दम पर वोट शेयर बढ़ा लेकिन वह चुनाव जीतने के लिए पर्याप्त नहीं था। ये आंकड़े इसलिए अहम हैं क्योंकि एक पंजाब छोड़ कर बाकी सभी राज्यों में कांग्रेस विपक्षी पार्टी के तौर पर लड़ रही थी। इसके बावजूद एंटी इन्कम्बैंसी का उसे कोई फायदा नहीं मिला। कई राज्यों में मतदाताओं ने उसे मुख्य विपक्ष के लायक पार्टी नहीं माना। इसलिए कांग्रेस के नेता भले बताते रहें कि कांग्रेस के पास अब भी सात सौ से ज्यादा विधायक हैं लेकिन उनको जमीनी हकीकत की जानकारी है।

प्रशांत किशोर को कांग्रेस की इस दुर्दशा का अंदाजा है। उनको पता है कि कांग्रेस के पास वोट की कोई बड़ी पूंजी नहीं है। लोकसभा चुनाव में मिले जिस 11-12 करोड़ वोट का हवाला कांग्रेस देती है उसमें से ज्यादातर वोट अल्पसंख्यकों का है और उनको भी अगर कोई विकल्प मिलता है तो उन्हें कांग्रेस को छोड़ने में समय नहीं लगेगा। इसके बावजूद अगर प्रशांत किशोर जोखिम ले रहे हैं तो उसका कारण यह है कि वे विपक्ष की एकजुटता के लिए कांग्रेस के आइडिया और उसके स्पेस को जरूरी मानते हैं। इसके अलावा उम्मीद की एक किरण यह है कि इस साल गुजरात और हिमाचल में होने वाले विधानसभा चुनाव से लेकर 2024 के लोकसभा चुनाव तक दो राज्यों- राजस्थान और छत्तीसगढ़ को छोड़ कर लगभग हर जगह भाजपा सरकार में है। यानी वे ऐसी रणनीति बना सकते हैं, जिससे एंटी इन्कम्बैंसी का लाभ कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों को मिले। गुजरात में तो कांग्रेस लगातार छह चुनाव हार चुकी है। तीसरी अहम बात यह है कि वे भाजपा की हर रणनीति और उसकी ताकत व कमजोरी से वाकिफ हैं।

बहरहाल, अगर सोनिया गांधी की बनाई कमेटी एक हफ्ते विचार करने के बाद सिफारिश करती है तो प्रशांत किशोर कांग्रेस में शामिल होंगे और उसे 2024 का चुनाव लड़वाएंगे। ध्यान रहे अब तक के अपने राजनीतिक अभियान में वे सिर्फ एक बार उत्तर प्रदेश में विफल हुए हैं। उसके अलावा वे हर चुनाव में सफल रहे हैं। उनके इस रिकॉर्ड और इस छवि का लाभ भी कांग्रेस को मिलेगा। उसके कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ेगा और पार्टी से उम्मीद खो चुके नेता भी अलग होने से पहले दस बार सोचेंगे। उनसे मुकाबले के लिए भाजपा को भी अपनी रणनीति बदलनी होगी। सो, उनसे भाजपा को वास्तविक चुनौती मिलने की उम्मीद की जा सकती है।

वि तद्ययुररुणयुग्भिरश्वैश्चित्रं भान्त्युषसश्चन्द्ररथाः।
अग्रं यज्ञस्य बृहतो नयन्तीर्वि ता बाधन्ते तम ऊर्म्यायाः।।

(ऋग्वेद ६-६५-२)

सुंदर रथ पर सवार उषा की किरणें संसार में प्रकाश को बिखेर कर अंधकार को समाप्त करती है। हे मनुष्य ! तुम भी अपने ज्ञान के प्रकाश से अज्ञानता के अंधकार को समाप्त करो, और यज्ञशीलता में वृद्धि करो।

The rays of dawn, riding on a beautiful chariot, dispel the darkness by scattering light throughout the world. O man ! You also, with the light of your knowledge, dispel the darkness of ignorance and augment Yajansheelta (the work for the welfare of others). (Rig Veda 6-65-2)

# चार पेटी शराब सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चम्पावत। शराब तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने कल देर शाम चार पेटी देशी शराब सहित गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना लोहाघाट पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक शराब तस्कर देशी शराब सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस ने सलना पुल समीप से कमल सिंह पुत्र केदार सिंह निवासी कर्णकरायत, थाना लोहाघाट को चार पेटी देशी शराब सहित दबोच लिया। जिसे न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

# 2 बाईक की भिडंत में एक घायल

संवाददाता

देहरादून। दो बाईक की टक्कर में एक बाईक सवार घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बद्रीश कालोनी भानियावाला निवासी स्वप्निल ऋषि ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बाजार से घर की तरफ अपनी मोटरसाईकिल से जा रहा था जब वह दुर्गा मन्दिर के पास पहुंचा तभी सामने से आ रहे मोटरसाईकिल सवार ने तेज गति से आते हुए उसकी मोटरसाईकिल पर टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया और उसकी मोटरसाईकिल भी क्षतिग्रस्त हो गयी। बाईक सवार वहां से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने खुले स्थान से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुप्ता कालोनी टर्नर रोड निवासी मौहम्मद अकरम ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से आईएसबीटी आया था उसने अपनी मोटरसाईकिल आईएसबीटी के सामने खडी कर दी थी तथा वह काम से गया था जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# पार्षद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए एसएसपी कार्यालय में प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। पार्षद मीना बिष्ट के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने एसएसपी कार्यालय में प्रदर्शन कर एसएसपी को ज्ञापन सौंपा।

आज यहां भाजपा कार्यकर्ता पूर्व राज्य मंत्री जितेन्द्र रावत मोनी के नेतृत्व में एसएसपी कार्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर एसएसपी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि गत दिवस नगर निगम की बोर्ड बैठक में वार्ड नम्बर 28 डालनवाला उत्तर की पार्षद मीना बिष्ट के द्वारा उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलनकारी राजेश रावत के बारे में अपशब्द कहे गये तथा उन्हें एक उदण्ड पत्थरबाज की संज्ञा दी गयी।

उन्होंने कहा कि मीना बिष्ट एक पार्षद हैं तथा उनके द्वारा शहीद राजेश रावत के प्रति इस प्रकार के अपशब्दों का प्रयोग करना शर्म की बात है एवं हर उत्तराखण्डी इस कुकृत्य से रोष में हैं। उन्होंने एसएसपी से मांग की है कि मीना बिष्ट के खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने के आदेश पारित करें जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुर्नावृत्ति ना हो।

# एक्शन मोड में दिखीं विधानसभा अध्यक्ष

संवाददाता

देहरादून। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कोटद्वार के विकास के लिए अधिकारियों के साथ बैठक कर उनको जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां कोटद्वार से विधायक एवं विधानसभा अध्यक्ष बनने के बाद ऋतु खंडूडी भूषण अपने क्षेत्र के विकास के लिए एक्शन मूड में दिख रही है, इसी कड़ी में विधानसभा भवन देहरादून में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान शहरी विकास, आवास विकास, ऊर्जा विभाग, पेयजल विभाग एवं परिवहन विभाग के सचिव स्तर से लेकर विभागीय अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र में पूर्ण हो चुके विकास कार्य, संचालित योजनाओ और भविष्य में होने वाले विकास कार्यों को लेकर अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी सामंजस्य से कार्य करें और क्षेत्र की समस्याओं का निस्तारण शीघ्र किया जाए। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने शहरी विकास विभाग के अधिकारियों से कोटद्वार में कूड़ा निस्तारण के लिए ट्रेचिंग ग्राउंड बनाए जाने के लिए त्वरित कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने कहा कि कोटद्वार में ट्रेचिंग ग्राउंड ना होने से वहां रोजाना निकलने वाले कूड़े कचरे का निस्तारण एक बड़ी समस्या है। वहीं उन्होंने अधिकारियों से कोटद्वार में सीवर की समस्या को दूर करने के लिए स्थान चिन्हित कर सीवर ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाने की बात कही। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने शहरी विकास विभाग से कोटद्वार क्षेत्र में पानी की समस्या को दूर करने के लिए (अटल मिशन आफ रेजूवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉरमेशन) अमृत 2.0 योजना की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने आवास विकास विभाग से पार्किंग व्यवस्था के लिए पार्किंग निर्माण के संबंध में आवश्यक

## ●कोटद्वार के विकास पर अधिकारियों को दिये निर्देश

जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कोटद्वार में दिन-प्रतदिन सड़कों पर यातायात का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है जिससे हमेशा जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है, पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए पार्किंग निर्माण कार्य के लिए कार्यवाही त्वरित की जाए।

विधानसभा अध्यक्ष ने पेयजल विभाग के अधिकारियों से कोटद्वार में स्वीकृत एवं प्रस्तावित पेयजल योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गर्मी बढ़ने से क्षेत्र में पेयजल की समस्या बढ़ने लगी है जिसके लिए पेयजल की आपूर्ति सुचारु रुप से होना आवश्यक है। विधानसभा अध्यक्ष ने क्षेत्र में 50 किलोमीटर क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों को दुरस्त करने के लिए शासन के अधिकारियों से धनराशि स्वीकृत करने की बात कहीद्य उन्होंने कहा कि पेयजल समस्याओं का समय से निराकरण न होने से स्थानीय लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विधानसभा अध्यक्ष ने कोटद्वार में बस अड्डे के निर्माण के लिए परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा की।

इस अवसर पर शहरी विकास के अपर मुख्य सचिव आनंदवर्धन, उरेडा कि निदेशक रंजना राजगुरु, शहरी विकास विभाग के अपर सचिव विनोद कुमार सुमन, शहरी विकास के निदेशक ललित मोहन रयाल, अपर परियोजना निदेशक विनय मिश्रा, जल जीवन मिशन के निदेशक नितिन भदौरिया, मुख्य अभियंता एससी पंत, पेयजल निगम के महाप्रबंधक सुजीत कुमार, जल संस्थान के महाप्रबंधक एसके शर्मा, उत्तराखंड जल विद्युत निगम के निदेशक पुरुषोत्तम सिंह, ऊर्जा के संयुक्त सचिव विक्रम सिंह राणा, जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता प्रवीण सैनी सहित अन्य अधिकारी मोजूद थे।

# बहुगुणा को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएः धीरेंद्र

देहरादून (कासं)। उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने जाने-माने स्वाधीनता सेनानी पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग की है।

स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की १०३वीं जयंती के अवसर पर यहां जारी एक बयान में धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा ने आजीवन स्वाधीनता सेनानी, एक राजनेता, एक शानदार प्रशासक और संगठनकर्ता के रूप में देश में बेमिसाल मिसाल कायम की थी। उन पर आजादी के दिनों में जिंदा या मुर्दा गिरफ्तार किए जाने पर १०००० रूपए का इनाम था। उन्होंने आजीवन सांप्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता और विकास के मूल्यों को लेकर संघर्ष किया। प्रताप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि वे स्वर्गीय बहुगुणा की आपातकालीन स्थिति के खिलाफ किए गए संघर्ष को याद करते हुए नए वर्ष २०२३ में गणतंत्र दिवस के अवसर पर उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने का ऐलान करें एवं जो नई संसद बनाई जा रही है उसमें उनकी प्रतिमा को लगाने का ऐलान करें। उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भी स्वर्गीय बहुगुणा की प्रतिमा राज्य की दोनों विधानसभाओं में लगाने की मांग की।

# पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार क्लेमनटाउन थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान पोस्ट आफिस रोड पर एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा किया तभी आसपास के लोगों ने उक्त व्यक्ति को पकडकर पुलिस के हवाले किया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 20 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम अवनीश कुमार पुत्र मदन सिंह निवासी निरंजनपुर लक्सर हरिद्वार हाल पता बडोवाला बताया। उसने बताया कि वह यह स्मैक रामपुर से पहलवान नामक व्यक्ति से लेकर आया है। वहीं रायवाला थाना पुलिस ने हाथी गली तिराहा के पास से एक युवक को छह ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

# अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार युवक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालावाता निवासी आशु धीमान ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका छोटा भाई ऋषभ धीमान 24 अप्रैल की रात्रि एक बजे एक विवाह समारोह से वापस आ रहा था। जब वह भरतू चौक के थोडी आगे पहुंचा तभी एक अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिसको केरोनेशन अस्पताल लेकर गये जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# बड़े काम आ सकते हैं बर्तन धोने वाले साबुन से जुड़े ये हैक्स, आजमाकर देखें

अब तक आप बर्तन धोने वाले साबुन का इस्तेमाल बर्तनों को धोने के लिए करते आए होंगे, लेकिन इसका इस्तेमाल सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। दरअसल, आप घर के छोटे-बड़े कामों के लिए और अन्य चीजों के विकल्प के रूप में बर्तन धोने वाले साबुन का इस्तेमाल करके अपने कई कामों को बेहद आसान बना सकते हैं। शायद आप इस बात से वाकिफ नहीं हैं तो चलिए फिर आज बर्तन धोने वाले साबुन से जुड़े कुछ हैक्स जानते हैं।

कपड़ों से ग्रीस के दाग छुड़ाना होगा आसान : अगर आप अपने किसी कपड़े से ग्रीस के दाग छुड़ाना चाहते हैं तो आप इसके लिए बर्तन धोने वाले साबुन का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले बर्तन धोने वाले साबुन को कपड़े की दाग वाली जगह पर अच्छे से रगड़कर कम से कम 10-15 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद कपड़े को हल्के गुनगुने पानी से साफ करके धूप में सुखा दें। अगर दाग रह जाए तो इस प्रक्रिया को दो से तीन बार दोहराएं।

फर्श को चमकाने में है कारगर : अगर आप अपने घर के फर्श को नैचुरल तरीके से साफ करना चाहते हैं तो इसके लिए आप बर्तन धोने वाले साबुन का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले बर्तन धोने वाले साबुन को हल्के गर्म पानी में मिलाकर एक घोल तैयार कर लें। इसके बाद एक छोटी बाल्टी में थोड़ा साबुन का घोल, गर्म पानी, नींबू का रस और तीन चम्मच सिरका डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण का पूरे घर में पोंछा लगाएं।

बतौर ज्वेलरी क्लीनर करें इस्तेमाल :

अगर आपकी ज्वेलरी की चमक फीकी पड़ गई है या आपकी ज्वेलरी बहुत गंदी लगने लगी है तो आप इसके लिए बर्तन धोने वाले साबुन का इस्तेमाल कर सकते हैं। बस इसके लिए आपको अपनी ज्वेलरी पर थोड़ा सा बर्तन धोने वाला साबुन लगाकर पुराने टूथब्रश से हल्के हाथों से रगड़ना है। इसके बाद साफ कपड़े से उसे पोंछ लें। ऐसा करने के बाद आपकी ज्वेलरी साफ होने के साथ-साथ चमक भी उठेगी।

# एवोकाडो को अपने हेयर केयर रुटीन का बनाएं हिस्सा

बालों की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए लोग महंगे से महंगे हेयर केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने को तैयार रहते हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि उनसे उन्हें मनचाह रिजल्ट ही मिले। ऐसे में अगर हम कहें कि उनकी जगह बालों पर एवोकाडो का इस्तेमाल करना अधिक फायदेमंद और सुरक्षित है तो शायद आप यकीन न करें। आइए आज आपको बताते हैं कि एवोकाडो को किन तरीकों से हेयर केयर रूटीन में शामिल करना लाभदायक है।

कंडीशनर के तौर पर करें इस्तेमाल : इसके लिए सबसे पहले एक एवोकाडो को काटकर उसका बीज निकालें और इसके गूदें को ब्लेंड करें। अब एवोकाडो के पेस्ट को एक कटोरी में एक बड़ी चम्मच शहद और दो बड़ी चम्मच ऑलिव ऑयल के साथ मिलाएं, फिर इस मिश्रण को सिर पर लगाकर शावर कैप पहनने के आधे घंटे बाद बालों को गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद जब यह कंडीशनर बालों से पूरी तरह निकल जाए तो सिर को तौलिये से लपेट लें।

हेयर स्पा के लिए करें एवोकाडो का इस्तेमाल : हेयर स्पा के लिए सबसे पहले एक पके एवोकाडो को छिल लें, फिर अच्छे से मसलकर इसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को बालों की जड़ों में लगाएं। इसके बाद बालों को भाप देने के लिए एक बड़े से बर्तन में पानी गर्म कर लें और तौलिया ढककर 10 मिनट तक भाप लें, फिर 20 मिनट बाद बालों को शैंपू से धो लें। हफ्ते में एक बार ही इस प्रक्रिया को दोहराएं।

दोमुंहें बालों से दिलाए छुटकारा : दोमुंहें बालों से राहत दिलाने में एवोकाडो और बादाम के तेल का हेयर मास्क काफी मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एवोकेडो को अच्छे से मैश कर लें, फिर उसमें बादाम का तेल मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण को अपने बालों की जड़ों से लेकर सिरे तक लगाकर बालों को शॉवर कैप से कवर कर दें और लगभग एक घंटे के लिए छोड़ दें। अंत में बालों को शैंपू से धो लें।

रूखे और बेजान बाल होगें ठीक : अगर आपके बाल रूखे और बेजान हो गए हैं तो इन्हें ठीक करने के लिए एवोकाडो और अंडे का हेयर मास्क लगाएं। इसके लिए एक ब्लेंडर में एवोकाडो को अच्छे से ब्लेंड कर लें। अब एवोकाडो में अंडे की जर्दी मिलाकर अच्छे से मिश्रण तैयार कर लें। इस मिश्रण को अपने पूरे बालों पर लगाएं और 20 मिनट तक सूखने दें। इसके बाद बालों को ठंडे पानी और शैंपू से धोकर कंडीशन कर लें। (आरएनएस)


## वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन


# हवा की सफाई करता हैं एयर प्यूरीफायर!

एयर प्यूरीफायर हवा को साफ करने वाले फिल्टर्स का सेट होता है। इसका फिल्टर जाम होता है यानी रुकता भी है। एक महीने तक एयर प्यूरीफायर चलने के बाद इसमें फंसी गंदगी देख सकते हैं। ये वहीं गंदगी होगी जो सांस के साथ फेफड़ों में जाती। कमरा कितना बड़ा है, प्यूरीफायर इसी आधार पर हवा साफ करता है। जिसमें 15 से 30 मिनट लग जाते हैं।

ओज़ोन एयर प्यूरीफायर

बाजार में बिकने वाले बहुत सारे एयर प्यूरीफायर ओजोन जेनरेटर नाम से होते हैं। ये जोन जेनरेटर हवा साफ़ करने के दौरान ओजोन का उत्सर्जन करते हैं। रिसर्चर कहते हैं कि ओजोन बैक्टीरिया और वायरस को मारता है। खराब गंध भी हटा देता है लेकिन तथ्य ये है कि ओजोन की छोटी मात्रा बैक्टीरिया या वायरस को नहीं मार सकती। बड़ी मात्रा में वो ऐसा जरूर कर सकती है।ओजोन का ऐसा स्तर हमारे शरीर के लिए बहुत खतरनाक होगा। यूएस एफडीए ने घोषित किया हुआ है कि चिकित्सा उपचार में ओजोन का उपयोग नहीं किया जा सकता। इसका व्यापार करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन भारत में यह धड़ल्ले से बिक रहा है। ओजोन फेफड़े को नुकसान तो पहुंचता ही है, साथ ही चिड़चिड़ाहट, अस्थमा, छाती में भारीपन और अन्य हानिकारक स्वास्थ्य प्रभाव पैदा कर सकता है।-कमरे का आकार एयर प्यूरिफाइर खरीदने से पहले इस बात को सबसे पहले देखने की जरूरत है। बेडरूम या स्टडी के लिए प्यूरिफायर लेना चाहते हैं तो शुरुआती स्तर की मशीनों से काम चल जाएगा। हालांकि, बड़े आकार के कमरे के लिए प्यूरिफायर चाहते हैं तो आपको ज्यादा खर्च करना होगा। इस स्थिति में आपको एक बड़ा या दो छोटे-छोटे प्यूरिफायर लेने होंगे। तकरीबन सभी प्यूरिफायर में इस बात का जिक्र होता है कि वे कितने क्षेत्रफल में कारगर तरीके से काम कर सकते हैं।

एलर्जी की समस्याओं से भी बचे रह सकते हैं आप

आम एलर्जी की परेशानियों से भी आप सुरक्षित रह सकते हैं अगर एयर प्यूरीफायर लगवाते हैं तो। एलर्जी जैसे सर्दी-खांसी, अस्थमा या फिर अन्य कोई समस्या आप इनसे आसानी से अपना बचाव कर सकते हैं। लेकिन बात फिर वही आती है कि इसकी आदत आपको और भी ज़्यादा बीमार बना सकती है। इसलिए सोच-समझकर इसका उपयोग करें।

ह्यूमिडीफायर के साथ ही खरीदें एयर प्यूरीफायर

शायद आपको इस बात का पता हो कि एयर प्यूरीफायर के साथ ह्यूमिडीफायर भी आता है। लेकिन ऐसा हर एयर प्यूरीफायर के साथ नहीं होता। इसलिए आप ऐसा प्यूरीफायर न खरीदें जिसमें ह्यूमिडीफायर अटैच हो। वास्तव में ह्यूमिडीफायर वातावरण की नमी को कंट्रोल करता है, जिससे उमस नहीं होती है। (आरएनएस)

# कियारा आडवाणी का भूल भुलैया 2 लुक आया सामने

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी के रहस्यमयी किरदार भूल भुलैया 2 से रीत का फर्स्ट लुक जारी कर दिया गया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के अपने किरदार का मोशन पोस्टर शेयर किया, जिसमें वह कार्तिक आर्यन और तब्बू के साथ हैं।

इसमें कियारा घबराई और हैरान दिख रही हैं। उनके सिर पर बड़े-बड़े और काले नाखून वाला हाथ आता है। अपने किरदार से प्रशंसकों को चिढ़ाते हुए, कियारा ने रीत के बारे में दर्शकों की जिज्ञासा को जगाने के लिए बस एक छोटा सा खुलासा किया, जैसा कि उन्होंने कैप्शन में लिखा मिलिए रीत से, बेवकूफ मत बनिएगा। ये स्वीट नहीं है।

अभिनेत्री अनीस बज्मी के निर्देशन में पहली बार कार्तिक के साथ स्क्रीन साझा करेंगी, जिसे टी-सीरीज द्वारा मुराद खेतानी के साथ निर्मित किया गया है। भूल भुलैया 2 ब्लॉकबस्टर फिल्म भूल भुलैया की अगली कड़ी है, जिसमें अक्षय कुमार, शाइनी आहूजा, विद्या बालन, परेश रावल, अमीषा पटेल और राजपाल यादव ने अभिनय किया था। 2007 की फिल्म, जिसे प्रियदर्शन द्वारा फिल्माया गया था, वह 1993 की मलयालम फिल्म मणिचित्रथाजू की रीमेक थी, जिसका निर्देशन फाजिल ने किया था, जो मलयालम स्टार फहद फासिल के पिता हैं। कियारा की बात करें तो, अभिनेत्री अगली बार वरुण धवन के साथ जुग जुग जीयो में दिखाई देंगी। उसके बाद विक्की कौशल के साथ गोविंदा नाम मेरा में दिखाई देंगी। वह वर्तमान में राम चरण के साथ एस शंकर की आगामी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं।

## शब्द सामर्थ्य -107

(भागवत साहू)

**बाएं से दाएं**

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

**ऊपर से नीचे**

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

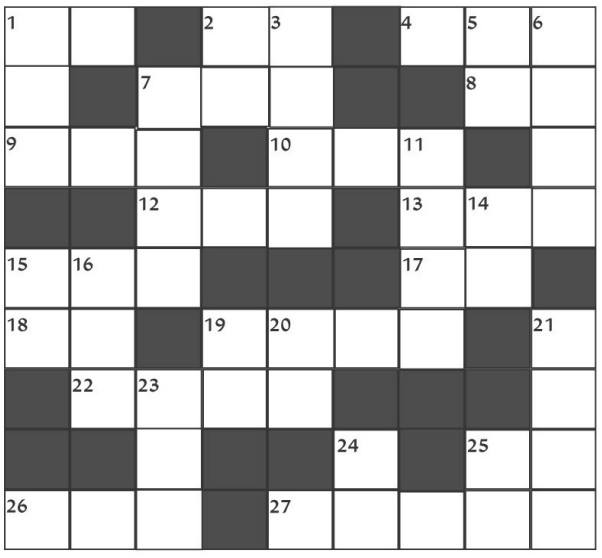

**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 106 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वि | ज | य | ■ | ब | नि | या | ■ | दे |
| वा | ■ | ती | त | र | ■ | रा | जी | व |
| ह | मा | म | ■ | स | प | ना | ■ | ता |
| ■ | न | ■ | ■ | ■ | टा | ■ | ■ | ■ |
| दा | व | त | ■ | वि | ना | श | ■ | अ |
| य | ■ | ह | त्या | ■ | ■ | ह | र्जा | ना |
| रा | ह | त | ■ | न | ज | र | ■ | व |
| ■ | वा | ■ | ■ | ■ | मी | ■ | ना | श्य |
| दु | ला | रा | ■ | जा | न | की | ■ | क |

# राजकुमार हिरानी की फिल्म में जुटे शाहरुख

शाहरुख खान पिछले काफी समय से साउथ के मशहूर निर्देशक एटली की फिल्म पर काम कर रहे थे। अब इसका शूट पूरा करने के बाद उन्होंने निर्देशक राजकुमार हिरानी की फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। यह वही फिल्म है, जिसमें शाहरुख की जोड़ी तापसी पन्नू के साथ बनी है। वो बात अलग है कि अभी तक शाहरुख ने पठान के अलावा अपनी आगामी किसी भी फिल्म पर बात नहीं की है।

रिपोर्टों के मुताबिक, हिरानी ने तापसी के साथ 15 अप्रैल को फिल्म की शूटिंग शुरू की थी और शाहरुख ने आज मुंबई स्टूडियो में फिल्म की टीम को जॉइन किया है। प्रोडक्शन टीम ने मुंबई में ही पंजाब के गांव का सेट बनाया है। पूरी कास्ट और क्रू अगले दो हफ्ते तक यहीं शूटिंग करने वाली है। हिरानी फिल्म के अलग- अलग हिस्सों को मुंबई में फिल्माएंगे। फिर वह लंदन और बुडापेस्ट में इसके अगले शेडयूल की शूटिंग करेंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इस फिल्म में शाहरुख और तापसी के अलावा कई नामचीन सितारे अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। फिल्म में बोमन ईरानी भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। अन्य लोकप्रिय कलाकार इसमें छोटी, लेकिन अहम भूमिका निभाने वाले हैं। निर्माता अभी विक्की कौशल और जिम सरब जैसे अन्य कलाकारों के साथ मेहमान भूमिकाओं के लिए बातचीत कर रहे हैं, लेकिन अभी तक फिल्म में उनकी कास्टिंग की पुष्टि नहीं हुई है।

शाहरुख ने अपने करियर में कई बड़े निर्माताओं-निर्देशकों के साथ काम किया है, लेकिन यह पहला मौका है, जब वह राजकुमार हिरानी संग काम करने जा रहे हैं। उन्होंने हिरानी की फिल्म के लिए 100 दिन दिए हैं। अक्टूबर तक शूट पूरा होगा। हिरानी ने राइटर कनिका ढिल्लों ने फिल्म की कहानी तैयार की है। यह एक ऐसे पंजाबी शख्स की कहानी होगी, जो कनाडा में बसना चाहता है। फिल्म में उस शख्स की संघर्षपूर्ण यात्रा को दिखाया जाएगा।

राजकुमार हिरानी बॉलीवुड का लोकप्रिय नाम हैं। हिरानी ने बहुतों को फिल्म निर्देशन की परिभाषा भी सिखाई। उनकी बनाई हर फिल्म ने नए रिकॉर्ड बनाए। मुन्नाभाई एमबीबीएस, लगे रहो मुन्नाभाई, पीके, थ्री इडियट्स और संजू जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन हिरानी ने ही किया है। शाहरुख फिल्म पठान में नजर आएंगे। इसमें दीपिका पादुकोण उनकी जोड़ीदार बनी हैं। थ्रिलर फिल्में बनाने के लिए मशहूर राज एंड डीके की आगामी फिल्म में वह अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। लाल सिंह चड्ढा में शाहरुख मेहमान भूमिका निभाने वाले हैं। (आरएनएस)

# उर्वशी रौतेला की दिल है ग्रे' का फर्स्ट लुक पोस्टर आउट

आगामी फिल्म दिल है ग्रे के निर्माताओं ने अभिनेता विनीत कुमार सिंह, अक्षय ओबेरॉय और उर्वशी रौतेला के कैरेक्टर पोस्टर जारी किए हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए, विनीत कहते हैं कि फिल्म का आधार काफी दिलचस्प है और मैं फर्स्ट लुक वाले पोस्टरों को मिलने वाली प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा हूं। यह कुछ ऐसा है जो मैंने पहले नहीं किया है, वास्तव में यह मेरे लिए एक रोमांचक प्रोजेक्ट है, मुझे सूसी और रमेश सर के साथ काम करने का मौका मिला है। फिल्म विनीत द्वारा निभाए गए एक ईमानदार पुलिस अधिकारी की कहानी बताती है, जिसे राजनीतिक और आर्थिक रूप से शक्तिशाली लोगों के कॉल टेप करने के लिए कहा जाता है। और इसके बाद कई रहस्यों का खुलासा होता है। अक्षय आगे कहते हैं कि जब मैंने पहली बार रोल के बारे में सुना, तो मुझे हां कहने में सोचने की जरूरत नहीं पड़ी। फिल्म में मेरा कैरेक्टर निश्चित रूप से मुझे एक अभिनेता के रूप में स्थापित करेगा, और इससे बेहतर कुछ हो नहीं सकता। एम. रमेश रेड्डी द्वारा निर्मित, सूरज प्रोडक्शन की इस फिल्म को सूसी गणेशन, एसोसिएट प्रॉसर मंजरी सुसिगनेशन, 4वी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्देशित किया गया है। उर्वशी ने साझा किया कि फिल्म की कहानी पर मेरा ध्यान था और मुझे लगता है कि लोगों को फिल्म का आनंद मिलेगा। फिल्म का विषय काफी दिलचस्प है, यह निश्चित रूप से मुझे पहले से ही उत्साहित करने में कामयाब रही है और मुझे उम्मीद है कि पोस्टर सभी के उत्साह को और बढ़ा देंगे। फिल्म जुलाई में पर्दे पर दस्तक देने वाली है।(आरएनएस)

# मैं इस तरह के अद्भुत प्रदर्शनों को देखकर बहुत खुश हूं : सोनाली बेंद्रे

बॉलीवुड अभिनेत्री और जज सोनाली बेंद्रे डीआईडी लिटिल मास्टर्स 5 की प्रतियोगी सादिया परवीन और वर्तिका की परफॉर्मेंस को देखकर दंग रह गईं। दोनों प्रतियोगी ने डू यू लव मी गाने पर डांस किया था। उन्होंने उल्लेख किया कि कैसे वह आभारी महसूस करती है कि वह आज भी जीवित हैं और इस तरह के एक महान चीजों को देखने में सक्षम हैं। सोनाली ने कहा, मैं 4 साल बाद एक रियलिटी शो में वापस आई हूं और मैं बहुत खुश हूं कि मैंने यह फैसला लिया। वास्तव में, जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे बहुत खुशी होती है कि मैं आज भी जीवित हूं और मुझे ऐसे अद्भुत प्रदर्शन देखने का मौका मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा, मैं इस अभिनय से इतनी हैरान थी कि मैं ताली बजाना भी भूल गई। यह अभूतपूर्व था। वर्तिका की कोरियोग्राफी बस उत्कृष्ट थी। मैंने कभी इस गीत को इतने अलग तरीके से प्रस्तुत करने की कल्पना नहीं की थी। सादिया भी वर्तिका के स्तर से मेल खाती थी। सोनाली बेंद्रे, मौनी रॉय और रेमो डिसूजा द्वारा जज किया गया डांस रियलिटी शो जी टीवी पर प्रसारित होता है।(आरएनएस)

# दमदार किरदार निभाना चाहती हूं:पूजा अग्रवाल

वेब सीरीज बलिया कांड में नजर आने वाली अभिनेत्री पूजा अग्रवाल का कहना है कि वह हमेशा दमदार भूमिकाएं चुनना पसंद करती हैं।

मिरर, फियर ऑफ गॉड और हैप्पी एनिवर्सरी जैसी लघु फिल्में भी कर चुकीं अभिनेत्री ने कहा कि बोल्ड दृश्यों से वह सावधान रहती हैं।

मैं एक बोल्ड किरदार के बजाय एक मजबूत किरदार निभाना पसंद करूंगी। अतीत में, मैंने कई लोगों को ना कहा है। मेरी सीरीज में, बोल्ड सीन हैं लेकिन मेरे किरदार के लिए नहीं है। हालांकि माया अपने किरदार में बहुत बोल्ड, निडर हैं।

अपने चरित्र के बारे में बात करते हुए, वह आगे कहती है कि मैं माया की भूमिका निभा रही हूं, जो एक मजबूत महिला है। वह हैरी जोश द्वारा निभाई गई मुख्य खलनायक दारा की पत्नी है। माया वह है जो अपने पति से नहीं डरती और उस पर हावी हो जाती है।

उन्होंने किरदार के बारे में बताते हुए कहा कि माया चाहती है कि उसका पति दारा बलिया पर राज करे। अगले सीजन में माया बिल्कुल अलग किरदार में नजर आएंगी। दर्शकों को यह देखने को मिलेगा कि वह राणा और बाला का कैसे फायदा उठाती है, जो एक दूसरे के दुश्मन हैं।

एक्ट्रेस अलग-अलग जॉनर में हाथ आजमाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि मैंने हॉलीवुड की भूमि में अध्ययन किया है और अब मैं बॉलीवुड में काम कर रही हूं। मैं पिछले तीन वर्षों में अपने विकास को देख सकती हूं, लेकिन अभी भी मीलों जाना बाकी है। मैं व्यापक रूप से डरावनी, फैंटसी और अन्य शैलियों में भी काम करना चाहती हूं।

# अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने लॉन्च किया अपना वीएफएक्स स्टूडियो

शिल्पा शेट्टी ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म बाजीगर से की थी। पहली ही फिल्म में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया था। आजकल भले वह फिल्मों में अधिक सक्रिय नहीं हैं, लेकिन रियलिटी शोज में उनकी उपस्थिति देखी जाती है। अब वह एक नई भूमिका में नजर आएंगी। दरअसल, शिल्पा ने अपना खुद का वीएफएक्स स्टूडियो लॉन्च किया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि वह इस भूमिका में खुद को कैसे ढालती हैं।

शिल्पा ने ट्विटर पर वीएफएक्स स्टूडियो की लॉन्चिंग की जानकारी दी है। उन्होंने अपने पोस्ट में वीएफएक्स स्टूडियो का वीडियो शेयर किया है। साथ ही उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, वीएफएक्स की दुनिया में अपने नवीनतम वेंचर की घोषणा करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। अब स्क्रीन पर अधिक मैजिक दिखाने का समय आ गया है। अभिनेत्री ने स्टूडियो का नाम एसवीएस स्टूडियो रखा है। उन्होंने अपने स्टूडियो की वेबसाइट का लिंक भी शेयर किया है।

शिल्पा ने वीएफएक्स इंडस्ट्री के दिग्गज संदीप माने के साथ मिलकर काम करने का फैसला किया है। अभिनेत्री शिल्पा इस स्टूडियो की फाउंडर हैं, जबकि संदीप को मैनेजिंग डायरेक्टर की भूमिका दी गई है। संदीप को इस क्षेत्र में काम करने का करीब 15 सालों का अनुभव है। उन्होंने बाहुबली 2, बाजीराव मस्तानी, पद्मावत, सिम्बा, दंगल, हाउसफुल 3 और गोलमाल अगेन जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के प्रोजेक्ट पर काम किया है।

शिल्पा का यह स्टूडियो मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके में स्थित है। इसमें बॉलीवुड और हॉलीवुड के प्रोजेक्ट पर काम होगा। शिल्पा ने कहा, मैं वीएफएक्स इंडस्ट्री में प्रवेश करने को लेकर उत्साहित हूं। फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा होने के नाते मैं बखूबी वीएफएक्स के महत्व को समझती हूं। यह किसी फिल्म को बना सकती है या फिर उसे बिगाड़ सकती है। हमारा ध्यान भारत और दुनियाभर में प्रोडक्शन हाउस को विश्व स्तरीय गुणवत्ता वाले वीएफएक्स प्रदान करने पर है।

शिल्पा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह सब्बीर खान की फिल्म निकम्मा में दिखाई देंगी। इस फिल्म में उनके साथ भाग्यश्री के बेटे अभिमन्यु दसानी नजर आएंगे। उन्होंने हाल में अपनी फिल्म सुखी का ऐलान किया है। इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है। शिल्पा ने करीब 14 साल बाद पिछले साल हंगामा 2 के साथ बॉलीवुड में वापसी की थी। ये अलग बात है कि उनकी वापसी फीकी रही।

पिछले साल शिल्पा की जिंदगी में उस समय उथल-पुथल मच गई थी, जब पोर्नोग्राफी मामले में उनके पति राज कुंद्रा सलाखों के पीछे चले गए थे। यहां तक कि उन्होंने अपना कामकाज भी छोड़ दिया था। अब मामले में राज को जमानत मिल चुकी है।

# सुहाना, खुशी कपूर और अगस्त्य नंदा की डेब्यू फिल्म की शुरू हुई शूटिंग

निर्देशक जोया अख्तर ने पिछले साल ही अपनी फिल्म द आर्चीज का ऐलान किया था। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आएगी। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा, जाह्नवी कपूर की बहन खुशी कपूर और शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। अब इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। फिल्म के निर्देशन की कमान जोया संभालेंगी। रीमा कागती और जोया मिलकर फिल्म को प्रोड्यूस करेंगी।

द आर्चीज की शूटिंग आज ही शुरू हुई है और इसकी जानकारी प्रोड्यूसर रीमा ने सोशल मीडिया पर दी है। रीमा ने इंस्टाग्राम पर क्लैपबोर्ड की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें फिल्म के पहले शॉट का विवरण दिया गया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, फिल्म द आर्चीज की शूटिंग शुरू हुई। जोया के भाई और अभिनेता फरहान अख्तर ने इस पोस्ट को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में शेयर किया है और टीम को शुभकामनाएं दी हैं।

ऐसी चर्चा है कि अगस्त्य फिल्म में आर्ची एंड्रयूज की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे। खुशी बेट्टी नामक किरदार में नजर आएंगी, जबकि सुहाना वेरोनिका की भूमिका निभाएंगी। फिल्म की कहानी टीनेज पर आधारित है, जो कुछ दोस्तों के इर्दगिर्द घूमती है। कहानी में रेगी, जुगहेड, बेट्टी, वेरोनिका, मूस, मिज, दिल्टन, बिग एथेल, मिस्टर लॉज, मिस ग्रुंडी, पॉप टेट, मिस्टर वेदरबी, स्मिथर्स, स्टीवंस जैसे किरदार शामिल हैं, जो बहुत अच्छे दोस्त हैं।

जोया ने पिछले साल नवंबर में इस प्रोजेक्ट का ऐलान किया था। हालांकि, उन्होंने अभी तक फिल्म के कलाकारों के बारे में आधिकारिक घोषणा नहीं की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग ऊटी और उसके आसपास के हिल स्टेशनों में की जाएगी। यह फिल्म भारत के 1960 के दशक की पृष्ठभूमि में बनेगी। नेटफ्लिक्स ने इस फिल्म के लिए आर्ची कॉमिक्स से करार किया है। फिलहाल फिल्म की रिलीज डेट के बारे में कोई जानकारी नहीं आई है।

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, दिल धड़कने दो जैसी फिल्मों का निर्देशन करने वाली जोया इससे पहले नेटफ्लिक्स के लिए लस्ट स्टोरीज और घोस्ट स्टोरीज का निर्देशन कर चुकी हैं। अब वह एक बार फिर नेटफ्लिक्स के साथ जुड़कर खुश हैं।

जोया अपनी आगामी फिल्म खो गए हम कहां को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव नजर आएंगे। जोया इस फिल्म की लेखक हैं। दूसरी तरफ वह अपने पिता जावेद अख्तर और उनके जोड़ीदार रहे सलीम खान पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाने वाली हैं। सलीम-जावेद की यह बायोपिक सच्ची घटना से प्रेरित होगी। वह रणवीर सिंह और कैटरीना कैफ को लेकर भी एक फिल्म का निर्देशन कर सकती हैं।

# राणा अयूब को क्यों मलाला बनाना ?

अजीत द्विवेदी

भारत के ज्यादातर पढ़े-लिखे लोग भी राणा अयूब को नहीं जानते हैं। वे अमेरिकी अखबार 'द वाशिंगटन पोस्ट' में कॉलम लिखती हैं और नरेंद्र मोदी सरकार की घोषित आलोचक हैं। ऐसे ही आतिश तासीर को भी देश के ज्यादातर लोग नहीं जानते हैं। वे पत्रकार हैं और तवलीन सिंह के बेटे हैं। तवलीन सिंह भी पत्रकार हैं और कांग्रेस, खासकर सोनिया गांधी परिवार की घनघोर आलोचक हैं। एक जमाने में वे नरेंद्र मोदी की समर्थक रही हैं। इन दिनों वे मोदी सरकार की नीतियों के विरोध में लिखती हैं, इसके बावजूद सोनिया गांधी के परिवार के प्रति उनकी नफरत कम नहीं हुई है। आकार पटेल को भी देश के ज्यादातर लोग नहीं जानते हैं। वे भी स्तंभकार हैं और एमनेस्टी इंडिया के प्रमुख रहे हैं। इन तीन नामों- राणा अयूब, आतिश तासीर और आकार पटेल में क्या समानता है? ये तीनों ऐसे पत्रकार हैं, जिनके खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों ने कार्रवाई की है और उस कार्रवाई की सुर्खियां पूरी दुनिया में बनी हैं। पूरी दुनिया के मीडिया संस्थान और यहां तक की सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं भी इनके समर्थन में उतरी हैं। इनके खिलाफ हुई कार्रवाई ने दुनिया की नजरों में भारत के लोकतंत्र का मान घटाया है। इन पर हुई कार्रवाई की वजह से दुनिया में यह धारणा बनी है कि भारत एक असहिष्णु और प्रेस की आजादी खत्म करने वाला देश बन गया है।

क्या ये तीनों इतने महत्वपूर्ण हैं या इनके लिखे से सचमुच भारत की सरकार या एक देश के नाते भारत की छवि खराब हो रही थी, जो इनके खिलाफ इतनी शिद्दत से कार्रवाई की गई? ये लोग जो लिख रहे हैं उसे पढ़ने वालों की संख्या बहुत मामूली है और उससे प्रभावित होने वालों की संख्या तो और भी कम है। अगर सरकार यह सोचती है कि इनके लिखने या बोलने से दुनिया में भारत की छवि खराब हो रही है तो यह सरासर गलतफहमी है। किसी भी देश या सरकार के बारे में धारणा किसी पत्रकार या स्तंभकार के लिखने से नहीं बनती है। सरकारों के बारे में धारणा उसके कामकाज से बनती है। राणा अयूब, आतिश तासीर और आकार पटेल के लिखने-बोलने से भारत सरकार की जितनी छवि नहीं खराब हुई उससे ज्यादा खराब इनके ऊपर कार्रवाई करने के काम से हुई है।

राणा अयूब क्या लिखती हैं यह ज्यादातर लोगों को पता नहीं है लेकिन इस बात की चर्चा पूरी दुनिया में हुई कि 'द वाशिंगटन पोस्ट' ने उनके समर्थन में एक पन्ने का विज्ञापन प्रकाशित किया। इस अमेरिकी अखबार ने 'कोएलिशन अगेंस्ट ऑनलाइन वायलेंस' के साथ मिल कर 'वाशिंगटन पोस्ट प्रेस फ्रीडम पार्टनरशिप' के तहत पूरे पन्ने का बयान जारी किया। इसमें कहा गया है, 'तकरीबन हर दिन राणा अयूब को हिंसा और मौत की धमकियां मिलती हैं। वो पक्षपातपूर्ण जांच और ऑनलाइन उत्पीड़न का निशाना बन रही हैं। परोपकार कार्यों से जुड़े उनके बैंक खाते को सील कर दिया गया। पत्रकारों को अभियोजन और बदनामी से नहीं डरना चाहिए'। क्या यह पढ़ कर अफगानिस्तान की मलाला यूसुफजई का ध्यान नहीं आ रहा है, जिन्हें लड़कियों की शिक्षा की बात करने के लिए गोली मार दी गई थी और उसके बाद वे पूरी दुनिया में कट्टरपंथी इस्लाम के सार्थक विरोध का प्रतीक बन गईं? उनको नोबल पुरस्कार भी मिला। क्या उसी तरह भारत के हिंदू कट्टरपंथी और सरकार दोनों मिल कर राणा अयूब को एक प्रतीक नहीं बना रहे हैं? क्या उनसे पूरी दुनिया में यह मैसेज नहीं जा रहा है कि भारत में हिंदू कट्टरपंथी संगठन और सरकार भी एक महिला के लेखन से घबरा रहे हैं और उसके खिलाफ अभियान चला रहे हैं, उसे मारने की धमकी दे रहे हैं और उसे बदनाम कर रहे हैं?

ध्यान रहे भारत सरकार की एजेंसियों ने राणा अयूब के ऊपर धन शोधन के आरोप लगाए हैं और उनकी संपत्ति भी जब्त की है। इसी बहाने उनको विदेश जाने से भी रोक दिया गया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने यह रोक हटाई है और उनको विदेश जाने की इजाजत दी। जांच एजेंसी ने अदालत में कहा कि वे विदेश जाती हैं तो हो सकता है कि नहीं लौटतीं। सोचें, अगर नहीं लौटतीं तो कौन सी आफत आ रही थी। हजारों करोड़ रुपए का घोटाला करके अनगिनत लोग देश से भाग गए और नहीं लौटे। सरकार को उनकी चिंता नहीं है, लेकिन राणा अयूब पर आरोप है कि उन्होंने परोपकार के कार्यों के लिए 2.69 करोड़ रुपए जुटाए, जिसमें गड़बड़ी हुई है तो उसकी इतनी चिंता है। इसकी जांच में एजेंसी ने उनकी 1.77 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है और खाते सील कर दिए हैं। फिर भी इस बात की जिद लगाए थी कि उनको विदेश नहीं जाने देंगे।

राणा अयूब अकेली पत्रकार नहीं हैं, जिनके साथ सरकार ऐसा बरताव कर रही है। आकार पटेल को भी बेंगलुरू हवाईअड्डे पर रोक लिया गया। वे अमेरिका जा रहे थे, लेकिन उनको जहाज में नहीं चढ़ने दिया गया। सीबीआई ने उनके खिलाफ लुकआउट सरकुलर जारी किया है, जिसके बारे में दिल्ली की एक अदालत ने यहां तक कहा कि सीबीआई को तत्काल सरकुलर वापस लेना चाहिए और एजेंसी के प्रमुख को आकार पटेल से माफी मांगनी चाहिए। बाद में सीबीआई की विशेष अदालत ने भी सरकुलर वापस लेने का आदेश दिया।

राणा अयूब, आकार पटेल और आतिश तासीर प्रतिनिधि नाम हैं। इस तरह के और भी कई चेहरे हैं, जो पत्रकार हैं, लेखक हैं या गैर सरकारी संगठनों से जुड़े हैं। उनके ऊपर छोटे-छोटे मामलों में केंद्रीय एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई की है। अगर इन्होंने कोई गलती की है तो कानूनी कार्रवाई जरूर होनी चाहिए लेकिन चुनिंदा कार्रवाई से ऐसा प्रतीत होता है कि जान बूझकर इनको निशाना बनाया जा रहा है। दूसरी अहम बात यह है कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के साथ साथ सोशल मीडिया में इनको बदनाम करने और धमकी देने का अभियान भी चल रहा है, जो बेवजह इन्हें शहीद बना रहा है। अगर इनकी बौद्धिक गतिविधियों से सरकार या भारतीय जनता पार्टी को दिक्कत हो रही है तो उसका बौद्धिक तरीके से ही जवाब दिया जाना चाहिए। ये लोग जो लिख रहे हैं, कोई दूसरा बौद्धिक उसका जवाब दे सकता है। लेकिन अगर बौद्धिक गतिविधियों का जवाब केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से दिया जा रहा है तो इसका मतलब है कि सरकार के पास सहिष्णुता की कमी तो है ही साथ ही अपनी विचारधारा के प्रति समर्पित बौद्धिकों की भी भारी कमी है।

## शादी के बाद काम पर लौटे रणबीर कपूर

डियर जिंदगी स्टार आलिया भट्ट के साथ बहुचर्चित शादी करने के कुछ ही दिन बाद अब बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर अपनी पेशेवर प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए काम पर वापस आ गए हैं।

अभिनेता को हाल ही में मुंबई के अंधेरी इलाके में देखा गया था, जहां वह नीले रंग की प्लेड शर्ट और बेज पैंट पहने नजर आए थे।

करीब पांच साल तक डेटिंग करने के बाद आलिया और रणबीर ने 14 अप्रैल को शादी कर ली थी। दोनों की आने वाली फिल्म ब्रह्मास्त्र के सेट पर शुरू हुई प्रेम कहानी आखिरकार पूरी हो गई और दोनों लगभग 50 मेहमानों की मौजूदगी में एक बेहद निजी शादी समारोह में विवाह बंधन में बंध गए।शादी समारोह के बाद, आलिया ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने फॉलोअर्स के साथ तस्वीरें और प्यार एवं खुशी साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, आज, अपने परिवार और दोस्तों से घिरे, घर परङ्घ हमारी पसंदीदा जगह पर- जिस बालकनी में हमने अपने रिश्ते के पिछले 5 साल बिताए हैं- हमने वहीं शादी कर ली।

बॉलीवुड अदाकार ने आगे लिखा, हमारे पीछे पहले से ही बहुत कुछ है, हम एक साथ और अधिक यादें बनाने के लिए इंतजार नहीं कर सकते.. यादें जो प्यार, हंसी, आरामदायक चुप्पी, मूवी नाइट्स, मूर्खतापूर्ण झगड़ों, वाइन डिलाइट्स और चाइनीज बाइट्स से भरी हैं। हमारे जीवन में इस बहुत ही महत्वपूर्ण समय के दौरान सभी प्यार और उजाले के लिए धन्यवाद। इसने इस पल को और भी खास बना दिया है। लव, रणबीर और आलिया।

## सू- दोकू क्र. 107

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2 | | 6 | | 8 | | 3 | |
| 9 | | 8 | | 3 | | 4 | | |
| | | | | | | | 5 | |
| 5 | | 2 | | | 7 | | 6 | |
| | 8 | | 4 | | | 1 | | 3 |
| | | | | 9 | | | | |
| 8 | | | 9 | | | | 1 | |
| | 5 | | | 1 | | 6 | | 2 |
| | | 1 | 7 | | | | 4 | |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.106का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 6 | 3 | 8 | 1 | 4 | 9 | 7 | 5 |
| 9 | 5 | 4 | 2 | 6 | 7 | 3 | 1 | 8 |
| 8 | 7 | 1 | 9 | 3 | 5 | | 6 | 2 |
| 6 | 2 | 7 | 5 | 4 | 8 | 4 | 3 | 9 |
| 3 | 9 | 8 | 6 | 7 | 1 | 2 | 5 | 4 |
| 4 | 1 | 5 | 3 | 2 | 9 | 6 | 8 | 7 |
| 5 | 3 | 2 | 4 | 8 | 6 | 7 | 9 | 1 |
| 1 | 8 | 6 | 7 | 9 | 2 | 5 | 4 | 3 |
| 7 | 4 | 9 | 1 | 5 | 3 | 8 | 2 | 6 |

# टूट रही है बिरादरी

पिछले हफ्ते पाकिस्तान में हुए एक आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तानी सेना ने आतंकवादी गुटों पर कार्रवाई की थी। उसके बाद तालिबान ने आरोप लगाया कि इस दौरान पाकिस्तान के सैनिक अफगान क्षेत्र में चले गए। तालिबान ने चेतावनी दी है कि ऐसी कार्रवाइयों को वह बर्दाश्त नहीं करेगा। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच टकराव अब खुल कर सामने आ गया है। यह न सिर्फ पाकिस्तान के लिए एक सैनिक चुनौती है, बल्कि उसके लिए एक बड़ी रणनीतिक समस्या भी है। जिस तालिबान को उसका समर्थक समझा जाता था, वही अब खुल कर उसे चुनौती दे रहा है। दोनों देशों में टकराव के पहले लक्षण कई महीने पहले उभरे थे। लेकिन अब उनके बीच दुश्मनों जैसी भाषा बोली जा रही है। पिछले हफ्ते पाकिस्तान में हुए एक आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तानी सेना ने आतंकवादी गुटों पर कार्रवाई की थी। उसके बाद तालिबान ने आरोप लगाया कि इस दौरान पाकिस्तान के सैनिक सीमा पार कर अफगानिस्तान के क्षेत्र में चले गए। तालिबान ने चेतावनी दी थी कि ऐसी कार्रवाइयों को वह बर्दाश्त नहीं करेगा। इसके जवाब में पाकिस्तान ने उसी लहजे में बयान जारी किया है। उसने तालिबान से कहा है कि वह पाक-अफगान सीमा से जुड़े इलाकों को सुरक्षित बनाए और आतंकवादी गुटों पर कार्रवाई करे। बीते 14 अप्रैल को पाकिस्तान के उत्तर वजीरीस्तान जिले में सुरक्षा बलों पर हमला हुआ था। उसमें पाकिस्तान के सात सैनिक मारे गए। इसी घटना के बाद दोनों देशों के रिश्ते में टकराव बढ़ा है। पाकिस्तान के एक बयान में कहा गया- 'अफगानिस्तान की संप्रभु सरकार को दोनों बिरादरना देशों में शांति और प्रगति के लिए ऐसे कदम उठाने चाहिए।' इसमें सीमा पार से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की गई।

यह दो टूक कहा गया कि आतंकवादी पाकिस्तान के अंदर हमले करने के लिए निर्भय हो कर अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल कर रहे हैं। पाकिस्तान के सामने ये चुनौती उस समय खड़ी हुई है, जब देश में नई सरकार बनी है। उधर अविश्वास प्रस्ताव के जरिए प्रधानमंत्री पद से हटाए गए इमरान खान के समर्थक लगातार सेना पर निशाना साध रहे हैं। इस आलोचना से पाकिस्तान की सेना परेशान है। बीते रविवार को सेना की तरफ से सेनाध्यक्ष जनरल कमर बाजवा का एक बयान जारी किया गया। इसमें जनरल बाजवा ने कहा कि सेना को लेकर लगाई जा रही अटकलों और फैलाई जा रही अफवाहों का तुरंत मुकाबला करने की जरूरत है। जनरल बाजवा ने चेतावनी दी है कि सेना के खिलाफ दुष्प्रचार से देश की साख के लिए खतरा पैदा हो रहा है। इसी समय पड़ोसी देश में भी खुलेआम पाकिस्तान को ललकार रहा है।(आरएनएस)

## बच्चों के पसंदीदा कार्टून नोबिता की आवाज के पीछे एक्ट्रेस सिमरन कौर

बच्चों के सबसे चहेते कार्टून नोबिता की आवाज जो आप हिंदी में सुनते हैं, वो एक्ट्रेस सिमरन कौर की आवाज है। नोबिता के जरिए सिमरन कौर खूब लोकप्रियता हासिल कर रही हैं। बच्चे नोबिता के रूप में उनकी आवाज को काफी पसंद करते हैं। 10 साल की उम्र में सिमरन ने नोबिता के किरदार को अपनी आवाज दी।

सिमरन ने बताया कि उनके स्कूल के दोस्त शो को पसंद करते थे और हर समय इसके बारे में उत्सुक रहते थे। वे मुझसे पूछते थे कि डोरेमोन शो के नए एपिसोड कब रिलीज होंगे। सिमरन आगे कहती है, मेरे नोबिता प्रशंसक मेरे लिए इंस्टाग्राम पर सबसे प्यारे कमेंट पोस्ट करते रहते हैं। जब भी लोगों को पता चलता है कि मैं नोबिता की आवाज हूं, तो वे मुझसे शो के कुछ शब्दों को बोलने का अनुरोध करते हैं या फिर छोटे भाई-बहनों से बात करने के लिए कहते हैं। अपने सपनों को लेकर सिमरन कौर कहती है, मैं हमेशा से एक एक्ट्रेस बनना चाहती थी।

मुझे व्यायस आर्टिस्ट के रूप में काम करने में बहुत मजा आया, लेकिन सपना हमेशा से अलग-अलग किरदारों को निभाने का रहा है। इसलिए मैंने कई सीरियल्स में भी काम किया। लोग मुझे नोबिता की आवाज के रूप में और अब अगर तुम ना होते से नियति के रूप में पहचानते हैं।

# कांग्रेस ने पार्षद को किया निलंबित, तीन दिन में मांगा जवाब

संवाददाता

देहरादून। निगम बैठक में शहीद राज्य आन्दोलनकारी राजेश रावत को पत्थरबाज उदण्ड कहने के मामले में कांग्रेस ने पार्षद को निलम्बित कर तीन दिन में जवाब मांगा है।

## शहीद राज्य आन्दोलनकारी को पत्थरबाज कहने का प्रकरण

उल्लेखनीय है कि गत दिवस नगर निगम बोर्ड की बैठक में आन्दोलनकारी शहीद राजेश रावत को पत्थरबाज कहा था जिसके बाद निगम सदन में जमकर हंगामा हुआ था। आज कांग्रेस पार्टी ने पार्षद को निलम्बित करते हुए पत्र लिखा कि उत्तराखण्ड राज्य का सपना आन्दोलन के शहीदों की शहादत के कारण साकार हो पाया है तथा उत्तराखण्ड राज्य शहीद आन्दोलनकारियों की धरोहर है। स्वर्गीय राजेश रावत ने राज्य निर्माण आन्दोलन में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। आपके द्वारा सदन में किया गया अमार्यादित व्यवहार आपके पद की गरिमा के अनुकूल नही है तथा इस व्यवहार से कांग्रेस पार्टी संगठन की छवि धूमिल हा`ने के साथ ही जनता के मध्य गलत संदेश गया है जिसे प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गम्भीरता से लिया गया जिसके चलते आपकी सदस्यता निलम्बित की जाती है। कांग्रेस ने पार्षद से तीन दिन के अन्दर अपना स्पष्टीकरण माफीनामा के साथ लिखित रूप से कांग्रेस पार्टी में प्रस्तुत करने के लिए कहा है ऐसा ना करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाही करने की चेतावनी दी है।

# धर्म यात्रा महासंघ ने की राजस्थान सरकार को भंग करने की मांग

काशीपुर (आरएनएस)। धर्म यात्रा महासंघ ने राजस्थान सरकार द्वारा ३०० वर्ष पुराने धार्मिक स्थल को गिराने और गोशाला ध्वस्त करने पर विरोध जताया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर राजस्थान सरकार को भंग करने की मांग की। सोमवार को धर्मयात्रा महासंघ ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम अभय प्रताप सिंह को सौंपा। कहा राजस्थान में अलवर के राजगढ़ में ३०० वर्ष पुराने धार्मिक स्थलों को बुलडोजर चलाकर तोड़ा गया। गोशाला को ध्वस्त कर गौ भक्तों का उत्पीड़न किया गया है। महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री कृष्ण कुमार अग्रवाल ने कहा देश और विदेश में रहने वाला राजस्थान सरकार द्वारा एक वर्ग विशेष को लुभाने के लिए की गई कार्रवाई देश की जनता कभी क्षमा नहीं करेगी।

# पैसे लूटकर भाग रहे दो बदमाशों को पुलिस ने पकड़ा, एक फरार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। दिन दहाड़े एक व्यक्ति के पैसे लूटकर भाग रहे दो बदमाशों को पुलिस व पब्लिक ने धर दबोचा। हालांकि बदमाशों का एक साथी फरार होने में सफल रहा जिसकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज दिन दहाड़े तीन बदमाशों द्वारा महाराजपुर निवासी सतीश कुमार पुत्र सोहनलाल से पैसे लूट लिये गये थे। सतीश के शोर मचाने पर पुलिस व आम जन मौके पर पहुंचे और दो बदमाशों को पकड़ लिया। हालांकि इस दौरान उनका एक साथी फरार होने में सफल रहा। सतीश की तहरीर पर पुलिस ने दोनों बदमाशों को सम्बन्धित धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। गिरफ्तार बदमाशों के नाम आमिल पुत्र जाबिर निवासी थाना कटघर जिला मुरादाबाद उत्तर प्रदेश व गुड्डू पुत्र जाकिर निवासी ख्वाजा नगर धामरी रोड कोहिनूर थाना मझोला जिला मुरादाबाद उत्तर प्रदेश बताया जा रहा है। जिनके कब्जे से पुलिस ने लूटे गये पैसे भी बरामद कर लिये गये है।

# एसओजी व पुलिस ने तीन शातिर ठग महिलाओं को किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसओजी व पुलिस की संयुक्त टीम ने नकली चांदी के बदले असली चांदी खरीदने वाली तीन ठग महिलाओं को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस कोतवाली ऋषिकेश पुलिस को सूचना प्राप्त हुई की झंडा चौक स्थित गढ़वाल ज्वेलर्स की दुकान में लोगों के द्वारा दो महिलाएं पकड़ी हुई है जो कि संदिग्ध है। प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कोतवाली से पुलिस फोर्स झंडा चौक स्थित गढ़वाल ज्वेलर्स की दुकान में पहुंचे तो गढ़वाल ज्वेलर्स के मालिक रविंद्र कुमार अग्रवाल मौजूद मिले तथा बताया कि उसकी मुखर्जी मार्ग पर अग्रवाल ज्वेलर्स के नाम से दुकान है और आज उसकी दुकान के अंदर जो दो महिलाएं पकड़ कर बिठाई गई हैं इनके द्वारा पुराना नकली चांदी के जेवर देकर उनसे असली चांदी के 01 मंगलसूत्र, 02 चेन, 02 जोड़ी पायल ठग लिए हैं जो कि अभी इन्हीं के पास हो सकते हैं। महिला पुलिस कर्मियों के द्वारा पकड़ी गई उपरोक्त दोनों महिलाओं की एकांत स्थान पर ले जाकर तलाशी ली गई तो दोनों महिलाओं के पास से अग्रवाल ज्वेलर्स की दुकान ठगा गया कुछ सामान बरामद हुआ। बाकी सामान के संबंध में सख्ती से पूछताछ कर जानकारी की गई तो दोनों महिलाओं के द्वारा बताया गया कि हम लोग हापुड़ उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं ऋषिकेश में उनके साथ हमारी बुआ मधु उर्फ संध्या भी आई है जब वह अग्रवाल ज्वेलर्स की दुकान में गए तो उस समय उनकी बुआ बाहर खड़ी थी और अग्रवाल ज्वेलर्स को अपनी बातों में उलझा कर पुराना नकली चांदी देकर हमने 02 जोड़ी पाजेब,01 मंगलसूत्र, 02 चैन की ठगी की है। जिनमें से 02 जोड़ी पाजेब तो उनके पास है तथा चैन व मंगलसूत्र उनकी बुआ लेकर अभी कुछ समय पहले ही फरार हो गई है। जिसके पश्चात पुलिस टीम के द्वारा तत्काल त्वरित कार्रवाई करते हुए बस अड्डा, टेंपो स्टैंड, टैक्सी स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि पर सर्च अभियान चलाया तो तीसरी महिला को बस अड्डे के पास से गिरफ्तार किया गया तथा ष्टोज़ माल बरामद किया गया। उपरोक्त तीनों महिलाओं के द्वारा ठगा गया ष्टात-प्रतिष्ठात माल बरामद किया गया है। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम रेखा पत्नी स्वर्गीय मनोज, संगीता उर्फ पूनम पत्नी राजकुमार, मधु उर्फ संध्या पत्नी लाखन सिंह सभी निवासी झुना पुरिया पुलिस चौकी केशव नगर थाना हापुड़ जिला हापुड़ बताया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

# भोजन माताओं का शिक्षकों पर अतिरिक्त कार्य कराने का आरोप

काशीपुर (आरएनएस)। भोजनमाताओं ने शिक्षकों पर भोजन बनाने के अलावा अन्य कार्य कराने का आरोप लगाते हुए एबीओ को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने शासनादेश के अनुरूप काम कराने की मांग की।

सोमवार को उप शिक्षा अधिकारी आशाराम चौधरी को दिए ज्ञापन में भोजन माताओं ने कहा वह राजकीय प्राथमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालयों में खाना बनाने का कार्य करती हैं। जिसकी एवज में उन्हें प्रतिमाह तीन हजार रुपए मिलते हैं। आरोप लगाया विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक उनसे स्कूल खोलने, बंद कराने, स्कूल के कमरों और परिसर में झाड़ू लगवाने, शौचालयों की सफाई कराने और बच्चों को पढ़ाने का कार्य कराते हैं। इसके अलावा वह अपने घरों के भी कार्य कराते हैं। मना करने पर उन्हें स्कूल से निकालने की धमकी दी जाती है। इस दौरान उन्होंने शासनादेश के अनुसार भोजन माताओं से कार्य कराने, स्कूलों में होने वाला उत्पीड़न को बंद कराने, स्कूलों में छात्र–छात्राएं कम होने के कारण भोजन माताओं को न निकालने की मांग की। एबीओ ने उन्हें शासनादेश के अनुरूप ही काम कराने का आश्वासन दिया।

# मोटरमार्ग को सुरक्षित बनाने के लिए मर्तोलिया ने जताया चीफ इंजीनियर का आभार

पिथौरागढ (विसं)। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया की पहल ने आखिर रंग ला दिया। बीआरओ ने तवाघाट से लिपुलेख तक बने मोटर मार्ग पर वर्ती घाट के निकट ठुलगैर नामक स्थान पर आए मलबे, पत्थरों को मशीनों से साफ कर मोटर मार्ग चौड़ा तथा यातायात के लिए सुरक्षित बना दिया। इसके लिए जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने क्षेत्र की जनता की ओर से बीआरओ के चीफ इंजीनियर एएस राठौर टनकपुर का आभार जताया।

धारचूला तहसील के अंतर्गत तवाघाट से लिपुलेख तक बने मोटर मार्ग में वर्ती घाट के निकट ठुलगैर नामक स्थान पर 500 मीटर की परिधि में चट्टान से निकले पत्थरों ने सड़क का अधिकांश भाग चट्टान के रूप में बदल दिया था।

इस स्थान पर मोटर मार्ग का हिस्सा काफी छोटा होने के कारण एक बार में एक ही वाहन पास हो पा रहे थे। एक वाहन को भी आर पार जाने में खतरा बना हुआ था।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने जयकोट का दौरा करने के बाद लौटते समय इस मंजर को देखा और उन्होंने तत्काल बीआरओ के मुख्य अभियंता एएस राठौर टनकपुर से फोन पर बात की। मुख्य अभियंता ने समस्या की जटिलता को देखते हुए तत्काल कमाडंर धारचूला को आदेशित किया। मशीन लगाकर मोटर मार्ग में पड़े पत्थर तथा मलवे को साफ कर चौड़ा तथा यातायात के लिए सुगम बना दिया गया। चीफ इंजीनियर की पहल के बाद क्षेत्र के 13 ग्राम पंचायतों की जनता को इस स्थान पर मोटर मार्ग में सुरक्षित एवं सुगम यातायात का लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि जब से चीफ इंजीनियर के रूप में इस नये अधिकारी का आगमन हुआ है, सीमा सड़क संगठन नये रूप में कार्य करते हुए नजर आ रहा है। इसके लिए उन्होंने तथा चीफ इंजीनियर का आभार जताया।

## एक नजर

# 300 साल पुराने मंदिर ध्वस्तीकरण मामले में एसडीएम समेत 3 अधिकारी निलंबित

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले के राजगढ़ कस्बे में पिछले दिनों ३०० साल पुराने शिव मंदिर पर बुलडोजर चलाए जाने के मामले में राज्य सरकार ने कार्रवाई करते हुए एसडीएम समेत ३ अफसरों को निलंबित कर दिया है। राजस्थान सरकार ने राजगढ़ के एसडीएम केशव कुमार मीणा, राजगढ़ नगर पालिका बोर्ड के अध्यक्ष सतीश दुहरिया,और नगर पंचायत के कार्यकारी अधिकारी बनवारी लाल मीणा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मंदिर तोड़े जाने को लेकर राज्य में सत्ताधारी पार्टी और विरोधी पार्टी के बीच संग्राम मचा था। मामला अब राजस्थान हाइकोर्ट पहुंच चुका है। इस मामले में सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट में एडवोकेट अमितोष पारीक ने याचिका (पीआईएल) दाखिल की है जिसमें राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ जिला कलेक्टर, सब डिविशनल मजिस्ट्रेट, एग्जीक्यूटिव अफसर नगरपालिका अवं अन्य को पार्टी बनाया गया है। सोमवार को मामले में भाजपा सांसद सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि राज्य सरकार मंदिर तोड़ने के लिए माफी मांगे और उसी स्थान पर मंदिर फिर से बनाया जाये।

# 'ऐसी राहत मत मांगिए जो कोर्ट नहीं दे सकती'

नई दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी और सात अन्य राज्यों में रामनवमी के दौरान हाल ही में हुई सांप्रदायिक हिंसा की जांच के लिए न्यायिक आयोग के अनुरोध को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को खारिज कर दिया। जस्टिस एल. नागेश्वर राव और जस्टिस बीआर गवई की पीठ ने अधिवक्ता विशाल तिवारी की याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप चाहते हैं कि पूर्व सीजेआई (भारत के मुख्य न्यायाधीश) की अध्यक्षता में एक जांच हो? क्या कोई आजाद है? पता करो, यह कैसी राहत है. ऐसी राहत की मांग मत करो जो यह अदालत नहीं दे सकती। खारिज। तिवारी ने अपनी याचिका में रामनवमी के दौरान राजस्थान, दिल्ली, मध्य प्रदेश और गुजरात में हुई झड़पों की जांच कराने का निर्देश देने की मांग की थी। जनहित याचिका में मध्य प्रदेश, गुजरात और उत्तर प्रदेश में श्बुलडोजर जस्टिसश की मनमानी कार्रवाई की जांच के लिए एक समान समिति गठित करने के निर्देश देने की भी मांग की गई थी। याचिका में कहा गया कि इस तरह की कार्रवाइयां पूरी तरह से भेदभावपूर्ण हैं और लोकतंत्र और कानून के शासन की धारणा में फिट नहीं होती हैं। इस महीने की शुरुआत में, उत्तर पश्चिमी दिल्ली के जहांगीरपुरी में एक हनुमान जयंती जुलूस के दौरान दो समुदायों के लोग आपस में भिड़ गए थे। हिंसा में आठ पुलिसकर्मी और एक नागरिक घायल हो गए। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में अब तक २७ लोगों को गिरफ्तार किया है।

# यूपी में मंदिर-मस्जिद में से आई तेज आवाज तो उतार लिए जाएंगे लाउडस्पीकर!

लखनऊ । महाराष्ट्र से शुरू होकर उत्तर प्रदेश पहुंचे लाउडस्पीकर विवाद को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सख्त होते दिखाई दे रहे हैं। यूपी में सरकार ने मंदिर–मस्जिद सहित सभी धार्मिकस्थलों पर लगे लाउडस्पीकर को कम आवाज में बजाने का निर्देश दिए हैं। यदि कोई निर्देशों का उल्लंघन करता पाया जाता है तो उस स्थल से लाउडस्पीकर को उतार लिया जाएगा। इसी नियम के तहत प्रदेश में अब तक १०० से अधिक लाउडस्पीकर उतारे जा चुके हैं। राज्य सरकार ने अधिकारियों को ऐसे धार्मिक स्थलों की सूची बनाने को कहा है जहां ध्वनि के तय मानक से ज्यादा आवाज में लाउडस्पीकर का उपयोग किया जाता है। देश के कुछ हिस्सों में रामवनमी और हनुमान जयंती के मौके पर हुई हिंसा को लेकर योगी सरकार ने पहले से ही सख्त रुख अपना रखा है। प्रदेश में त्यौहारों के दौरान हिंसा न हो इसके लिए राज्य सरकार ने सभी पुलिस अधिकारियों की छुट्टी चार मई तक रद्द कर दी है। इसके अलावा यदि कोई भी धार्मिक रैली या शोभा यात्रा निकालनी है तो उसके लिए प्रशासन से पहले अनुमति लेनी होगी। सरकार ने यह फैसला दिल्ली के जहांगीरपुरी में हुई हिंसा के बाद लिया था।

# हरक ने बेटे के अस्पताल को नियम विरुद्ध दिलाये 2.92 करोड़: नेगी

नगर संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि डा. हरक सिंह रावत ने श्रम मंत्री मंत्री रहते हुए अपनी करीबी बोर्ड सचिव दमयंती रावत व अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ मिलकर कर्मकार कल्याण बोर्ड के माध्यम से अपने सहसपुर स्थित मेडिकल कॉलेज को 1799 मरीजों के इलाज के नाम पर वर्ष 2017 से 2020 तक 2.92 करोड़ की राशि जारी की, जबकि सरकार द्वारा प्रदेश में अटल आयुष्मान योजना लागू की हुई है, लेकिन इसके बावजूद करोड़ों रुपए की राशि कर्मकार बोर्ड से इनके अस्पताल को जारी की गई।

**●आयुष्मान योजना के बावजूद कर्मकार बोर्ड से सूचीबद्ध कराया अस्पताल**
**●अन्य अस्पतालों को एक-दो लाख देकर टरकाया**

नेगी ने कहा कि कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत 10 सूचीबद्ध हॉस्पिटल्स, जिसमें दो नामी-गिरामी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल श्री महंत इंद्रेश हॉस्पिटल को मात्र 75,155 रुपए व हिमालयन हॉस्पिटल जौली ग्रांट को 2.71 लाख रुपए जारी किए गए हैं। सवाल यह उठता है कि इतने नामी-गिरामी अस्पतालों पर मेहरबानी क्यों नहीं की गई, इसका सबसे बड़ा कारण है कि इन अस्पतालों से सेटिंग गेटिंग नहीं हो पाती यानी मोटी कमीशन नहीं मिल पाती। कुछ खास प्राइवेट अस्पतालों पर भी खासी मेहरबानी की गई, जिसमें एमपी मेमोरियल हॉस्पिटल को 31.06 लाख एवं आनंद हॉस्पिटल को 23.36 लाख रुपया जारी किया गया। डा. हरक द्वारा किन कारणों से, किस साजिश के तहत अपने हॉस्पिटल को अटल आयुष्मान योजना में सूचीबद्ध नहीं कराया है। मोर्चा सरकार से मांग करता है कि कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा इलाज की धनराशि एवं उसके मानकों को दरकिनार कर बांटी गई करोड़ों की धनराशि की जांच कराए। पत्रकार वार्ता में भीम सिंह बिष्ट व वीरेंद्र सिंह मौजूद थे।

# सरेशाम स्कूटी सवार बदमाशों ने मजदूरों से पर्स लूटा

संवाददाता

देहरादून। स्कूटी सवार बदमाशों ने सरेशाम मजदूरों से रूपयों से भरा पर्स लूट लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बद्रीपुर निवासी मुसाफिर शाह ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 24 अप्रैल वह अपने साथी संन्तोष पुत्र नन्हे सिह के साथ गुच्चुपानी से मजदूरी करके बद्रीपुर जोगीवाला जा रहे थे तो जैसे ही हम बुद्धा चौक के पास रेजर ग्राउँड के पीछे वाले गेट पर पहुँचे तो अचानक लैसडाउन चौक की तरफ से स्कूटी पर तीन लड़के आये और जिनके द्वारा अपनी स्कूटी को हमारे आगे लाकर रास्ता रोका गया तथा कहने लगे कि तुमने हमारा पर्स उठाया है तुम अपना पर्स दिखाओ जैसे ही उसने अपना पर्स जेब से निकाला तो तीनो लड़को ने मिलकर पर्स को छीनकर भाग गये तथा मेरे साथी सन्तोष ने स्कूटी का नम्बर नोट कर लिया जिसका नम्बर यूके 07 डी क्यू 4976 था तथा उसके पर्स में 2000 रुपये व मेरा आधार कार्ड था यह घटना समय करीब साढे छह शाम की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# घर के बाहर खड़ी एक्टिवा चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडी एक्टिवा चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांधी रोड निवासी नौशाद अहमद ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# शासकीय भूमि पर अतिक्रमण हटाने को आगे आया प्रशासन

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड सरकार के निर्देश एवं मार्गदर्शन में जिलाधिकारी डॉ आर राजेश कुमार ने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर अवैध रूप से संचालित गतिविधियों पर रोक लगाये जाने तथा राज्य में बाहरी लोगों का सत्यापन किये जाने तथा क्षेत्रवासियों द्वारा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित गतिविधियों के सम्बन्ध में प्राप्त हो रही शिकायतों के क्रम में उप जिलाधिकारी सदर को सत्यापन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

जिसके अनुपालन में उप जिलाधिकारी सदर मनीष कुमार के नेतृव में संयुक्त टीम ने रायपुर एवं मालदेवता में संचालित हॅट, रेस्टोरेंटों का निरीक्षण कर सत्यापन किया गया। टीम द्वारा हॅट/रेस्टोरेंट/ढाबा का भौतिक सत्यापन के दौरान 10 लोगों पर अनुमति न दिखा पाने के चलते संचालन बन्द करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पर्यटन, पुलिस, खाद्य सुरक्षा विभागों को अपने-अपने स्तर पर संचालन की अनुमति की जांच करने तथा तहसीलदारों को भूमि के अभिलेखों का भौतिक परीक्षण करने के निर्देश दिए गए है।

# विद्यालय से छात्र लापता

संवाददाता

देहरादून। नवोदय विद्यालय से सातवी कक्षा का छात्र लापता हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेसकोर्स निवासी महिला ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका 13 साल का बेटा जवाहर नवोदय विद्यालय शंकरपुर में सातवी कक्षा का छात्र है जो आज करीब साढे पांच बजे स्कूल परिसर से कहीं चला गया है। उसके बेटे के स्कूल से जाने की सूचना शिक्षक प्रवीन्द्र कुमार ने उसको दी। इस प्रकरण में स्कूल समिति की भी घोर लापरवाही सामने आयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छात्र की तलाश शुरू कर दी है।

**आर.एन.आई.-** 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

*प्रधान संपादक*
**कांति कुमार**

*संपादक*
**पुष्पा कांति कुमार**

*समाचार संपादक*
**आनंद कांति कुमार**

**कानूनी सलाहकार:**
**वी के अरोड़ा, *एडवोकेट***
**बैजनाथ, *एडवोकेट***

**कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।**
**मो. 9358134808**

*नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।*